



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 206]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 8, 1992/वैशाख 18, 1914

No. 206]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 8, 1992/VAISAKHA 18, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जल भूतल परिवहन मंत्रालय

(पत्तन स्कंध)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 मई, 1992

सा.का.वि. 481(अ) :- भारतीय पत्तन प्रविनियम 1908(1908 का 15) की धारा 33 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और जल-भूतल परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सा.का.वि. सं. 98(ई) तारीख 9-2-1989 की अधिसूचना का अतिक्रमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निदेश देती है कि सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन होने से साठ दिन का अवकाश होने के पश्चात्, जहाज़ लाइन नेहरू पत्तन में प्रवेश करने वाले जलयानों पर भारती में कम से कम 2 में बर्गित और कालन (3) और (4) में विनिर्दिष्ट दरों पर और उक्त माग्यी के कालन (5) में निरत समय के आधार पर प्रभार लगाये जायेंगे।

सारणी

क्रमांक	प्रभाव जलयान	पत्तन प्रभार की दर प्रति निवल रजिस्ट्रीकृत टन भार (एन. भार. टी.)		एक ही जलयान के संबंध में प्रचालन आवृत्ति
		विदेशी जलयान अमरीकी डालर	तटीय जलयान रुपये	
1	2	3	4	5
1.	(क) 10 टन और इससे अधिक समुद्रगामी जलयान (मत्स्य नौकाओं को छोड़कर) (ख) भारत के बाहर से आने वाली कर्ष नौकाएं और नदी नौकाएं चाहे वे वाष्प या डीजल या अन्य यांत्रिक प्रक्रियाओं से चालित हों।	0. 24 0. 24	— —	पत्तन में प्रत्येक प्रवेश पर यह प्रभार देय होगा। पत्तन में प्रत्येक प्रवेश पर यह प्रभार देय होगा।
2.	(क) 10 टन और इससे अधिक के तटीय जलयान (मत्स्य नौकाओं को छोड़कर) (ख) तटीय जलयान जैसे-कर्ष नौकाएं, पार नौकाएं नदी नौकाएं चाहे वे वाष्प या डीजल या अन्य यांत्रिक प्रक्रियाओं से चालित हों।	— —	3. 45 3. 45	पत्तन में प्रत्येक प्रवेश पर यह प्रभार देय होगा। पत्तन में प्रत्येक प्रवेश पर यह प्रभार देय होगा।
3.	पत्तन में प्रवेश करने वाले स्थिरक भार और बिना यात्रियों वाले मरम्मत जलयान परन्तु (1) पत्तन में कोई माल या यात्रियों के लेने पर (2) पत्तन से बिना माल या यात्रियों को लिये बाहर जाने पर। (3) मरम्मत, बंकरों में सूखी डाकिंग, रसद या जन या वस्तुओं के बदलने के लिये या कर्मिंदल के रोगी मरम्मत को उतारने के लिये और पत्तन में यात्रियों का माल को लिये बिना बाहर जाने पर।	पत्तन प्रभार का 3/4 भाग पत्तन प्रभार का 1/2 भाग पत्तन प्रभार का 1/2 भाग		पत्तन में प्रत्येक प्रवेश पर यह प्रभार देय होगा। पत्तन में प्रत्येक प्रवेश पर यह प्रभार देय होगा। पत्तन में प्रत्येक प्रवेश पर यह प्रभार देय होगा।
4.	ऐसे जलयान जो पत्तन में प्रवेश करते हैं लेकिन किसी माल या यात्रा को उतारते या लेते नहीं, सिवाय ऐसा माल छोड़ने या लेने के जो मरम्मत के प्रयोजन के लिये आवश्यक हो सकता है।	पत्तन प्रभार का 1/2 भाग		पत्तन में प्रत्येक प्रवेश पर यह प्रभार देय होगा।
5.	जार जलयान	पत्तन प्रभार का 1/2 भाग		पत्तन में प्रत्येक प्रवेश पर यह प्रभार देय होगा।
6.	पत्तन में लाये गये संकटग्रस्त जलयान जिनमें माल या संपत्ति हो	पूर्ण पत्तन प्रभार		पत्तन में प्रत्येक प्रवेश पर यह प्रभार देय होगा।
7.	पत्तन में लाये गये संकटग्रस्त जलयान जिनमें कोई माल न हो।	पत्तन प्रभार का 3/4 भाग		पत्तन में प्रत्येक प्रवेश पर यह देय प्रभार होगा।

इस सारणी में प्रयुक्त शब्दों की व्याख्या

- (क) "तटीय जलयान" का अर्थ ऐसे जलयान से है जो समुद्र द्वारा यात्रियों या वस्तुओं को भारत में किसी पत्तन या स्थान से भारत में किसी अन्य पत्तन या स्थान पर लाने ले जाने में कार्यरत है।
- (ख) "विदेशी जलयान" का अर्थ ऐसे जलयान से है जो भारत में किसी पत्तन या स्थान और अन्य पत्तन या स्थान के बीच या भारत के बाहर पत्तनों या स्थानों के बीच व्यापारिक कार्य में लगा हुआ है।
- (ग) "समुद्रगामी जलयान" का अर्थ ऐसे जलयान से है जो भारत में किसी पत्तन या स्थान और भारत के बाहर किसी पत्तन या स्थान के बीच व्यापारिक कार्य में लगा हुआ है।
- (घ) "तार जलयान" का अर्थ ऐसे जलयान से है जो समुद्रपार संचार के लिये समुद्री केबिल को डढ़ाने, उसकी जाँच करने और उसे बिछाने के लिये मशीनरी और गियरों से सज्जित होता है।
- (ङ) विदेशी जलयानों के संबंध में अदायगी जलयान के आगमन की तारीख पर, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अधिसूचित दरों पर समतुल्य भारतीय रुपयों में की जायेगी।

[सं. एक पी आर-14012/13/92-पी जी]
अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th May, 1992

G.S.R. 481(E).—In exercise of the Powers conferred by sub-section (2) of Section 33 of the Indian Ports Act 1908 (15 of 1908) and in supersession of the notification of the Govt. of India, in the Ministry of Surface Transport, G.S.R. No. 98(E) dated 9th February, 1989, the Central Govt. hereby direct that with effect from the day following the expiration of sixty days from the date of publication of the notification in the Official Gazette, Port dues shall be levied on vessels entering the Port of Jawaharlal Nehru as described in Col. 2 of the Table at the rates specified in (3) and (4) thereof and the time fixed in Col. (5) of the said table.

TABLE

Sl. No.	Vessels Chargeable	Rate of Port dues per NRT		Frequency of operation in respect of the same vessel
		Foreign vessels US\$	Coasting vessels Rs.	
1	2	3	4	5
1. (a)	Sea going vessels of 10 tons and upward (except fishing boats)	0.24	—	Dues are payable on each entry into the port.
(b)	Tug boats and river boats whether propelled by steam or diesel or other mechanical means arriving from ports outside India.	0.24	—	Dues are payable on each entry into the port.
2. (a)	Coasting vessels of 10 tons and upwards (except fishing boats).	—	3.45	Dues are payable on each entry into the port.
(b)	Coasting vessels such as tug boats, ferry boats, river boats whether propelled by steam or diesel or other mechanical means.	—	3.45	Dues are payable on each entry into the port.

1	2	3	4	5
3.	All vessel entering port in ballast and not carrying passengers, but—			
(i)	taking in any cargo or passengers at the port.	3/4 of the port dues		Dues are payable on each entry into the port.
(ii)	Sailing from the port without taking in any passengers or cargo.	1/2 of the port dues		Dues are payable on each entry into the port.
(iii)	For repairs, dry-docking in bunkers, provisions or water or for change of goods or discharging any sick member of the crew and sailing from the port without taking in passengers or cargo.	1/2 of the port dues		Dues are payable on each entry into the port.
4.	Vessels which enter the port, but does not discharge or take in any cargo or passengers, except the discharge or take in of cargo as may be necessary for purposes of repair.	1/2 of the port dues		Dues are payable on each entry into the port.
5.	Telegraph vessels.	1/2 of the port dues.		Dues are payable on each entry into the port.
6.	Vessels in distress with cargo or property and brought into the port.	Full port dues		Dues are payable on each entry into the port.
7.	Vessels in distress with no cargo and brought into the port.	3/4 of the Port dues		Dues are payable on each entry into the port.

Explanation in this table :

- 'Coasting Vessel' means a vessel engaged in the carriage by sea of passengers or goods from any port or places in India to any other port or places in India.
- 'Foreign Vessel' means a vessel employed in trading between any port or place in India and other port or place or between ports or places outside India.
- 'Sea going Vessel' means a vessel employed in trading between any port or places in India to any ports or places outside India.
- 'Telegraph Vessel' means a vessel equipped with machinery and gears for lifting examining and laying sub-marine cables for overseas communication.
- The payment in respect of foreign vessels shall be made in equivalent Indian Rupees at the rates notified by the R.B.I. on the date of arrival of the vessel.

[F. No. PR-14012/13/92-PG]
ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 मई, 1992

सा.का.नि.482(अ):—केन्द्रीय सरकार, भारतीय पत्तन अधिनियम 1908 (1908 का 15) की धारा 33 की उप धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सरकारी राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के साठ दिन का अवसान होने के पश्चात् उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची के भाग-1 में जवाहरलाल नेहरू पत्तन से संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी अर्थात्:—

1	2	3	4
	नीचे उल्लिखित प्रभार से अधिक नहीं होगा		
	विदेशी जल मान	तटीय जलमान	
जवाहर लाल नेहरू पत्तन न्याय	अमरीकी डालर	रुपए	
1. (क) 10 टन और इससे अधिक के समुद्रगामी जलयान (मत्स्य नौकाओं को छोड़कर)	1.00	—	पत्तन में प्रत्येक प्रवेश पर यह प्रभार देय होगा।
(ख) भारत के बाहर से आने वाली कर्ष नौकाएं और और नदी नौकाएं चाहे वे वाष्प या डीजल या अन्य यांत्रिक प्रक्रियाओं से चालित हों	1.00	—	पत्तन में प्रत्येक प्रवेश पर यह प्रभार देय होगा।
2. (क) 10 टन और इससे अधिक के तटीय जलयान (मत्स्य नौकाओं को छोड़कर)	—	20.00	पत्तन में प्रत्येक प्रवेश पर यह प्रभार देय होगा।
(ख) तटीय जलयान जैसे कर्ष नौकाएं, पार नौकाएं नदी नौकाएं चाहे वे वाष्प या डीजल या अन्य यांत्रिक प्रक्रियाओं से चालित हों।	—	20.00	पत्तन में प्रत्येक प्रवेश पर यह प्रभार देय होगा।
3. पत्तन में प्रवेश करने वाले स्थिरक भार और बिना यात्रियों वाले समस्त जलयान परन्तु			
(i) पत्तन से कोई माल या यात्रियों के लेने पर।	1.00	20.00	पत्तन में प्रत्येक प्रवेश पर यह प्रभार देय होगा।
(ii) पत्तन से बिना माल या यात्रियों के लिए बाहर जाने पर।	1.00	20.00	पत्तन में प्रत्येक प्रवेश पर यह प्रभार देय होगा।
(i/i) मरम्मत, बंकरों में सूखी डाकिंग, रसद या जल या वस्तुओं को बदलने के लिए या कमपिल के रोगी सदस्य को उतारने के लिए और पत्तन से यात्रियों या माल को लिए बिना बाहर जाने पर।	1.00	20.00	पत्तन में प्रत्येक प्रवेश पर यह प्रभार देय होगा।
4. ऐसे जलयान, जो पत्तन में प्रवेश करने हैं, लेकिन किनो माल या यात्री को उतारते या लेते नहीं, सिवाय ऐसा माल छोड़ने या लेने के जो मरम्मत के प्रयोजन के लिए आवश्यक हो सकता है।	1.00	20.00	पत्तन में प्रत्येक प्रवेश पर यह प्रभार देय होगा।
5. तार जलयान	10.00	20.00	पत्तन में प्रत्येक पत्तन प्रवेश पर यह प्रभार देय होगा।
6. पत्तन में लाए गए संकटग्रस्त जलयान जिनमें माल या संपत्ति हो।	1.00	20.00	पत्तन में प्रत्येक प्रवेश पर यह प्रभार देय होगा।
7. पत्तन में लाए गए संकटग्रस्त जलयान जिनमें कोई माल न हो।	1.00	20.00	पत्तन में प्रत्येक प्रवेश पर यह प्रभार देय होगा।

इस सारणी में प्रयुक्त शब्दों की व्याख्या

(क) "तटीय जलयान" का अर्थ ऐसे जलयान से है जो समुद्र द्वारा यात्रियों या वस्तुओं को भारत में किसी पत्तन या स्थान से भारत में किसी अन्य पत्तन या स्थान पर लाने से जाने में कार्यरत है।

- (ब) "विदेशी जलयान" का अर्थ ऐसे जलयान से है जो भारत में किसी पत्तन या स्थान और अन्य पत्तन या स्थान के बीच या भारत के बाहर पत्तनों या स्थानों के बीच व्यापारिक कार्य में लगा हुआ है।
- (ग) "समुद्रगामी जलयान" का अर्थ ऐसे जलयान से है जो भारत में किसी पत्तन या स्थान और भारत के बाहर किसी पत्तन या स्थान के बीच व्यापारिक कार्य में लगा हुआ है।
- (घ) "तार जलयान" का अर्थ ऐसे जलयान से है जो समुद्रपार संचार के लिए समुद्री केबिल को उठाने, उसकी जांच करने और उसे बिछाने के लिए मशीनरी और गियरों से सज्जित होता है।

[सं. एकपी आर-14012/13/92-पी जी]

अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th May, 1992

G.S.R. 482(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 33 of the Indian Ports Act 1908 (15 of 1908) the Central Government hereby makes with effect from the day following the expiry of sixty days from the date of publication of the notification in official gazette, the following amendments to the First Schedule to the said Act namely :—

In Part-I, first schedule to the said Act, for entries relating to the Jawaharlal Nehru Port, the following entries shall be substituted namely :—

1	2	3	4
		Not exceeding the below mentioned charges	
		Foreign vessels	Coasting vessels
		US\$	Rs.
Jawaharlal Nehru Port Trust			
1. (a)	Sea going vessels of 10 tons and upwards (except fishing boats)	1.00	— Dues are payable on each entry into the port.
(b)	Tug boats and river boats whether propelled by steam or diesel or other mechanical means arriving from ports outside India.	1.00	— Dues are payable on each entry into the port.
2. (a)	Coasting vessels of 10 tons and upwards (except fishing boats).	—	20.00 Dues are payable on each entry into the port.
(b)	Coasting vessels such as tug boats, ferry boats, river boats whether propelled by steam or diesel or other mechanical means.	—	20.00 Dues are payable on each entry into the port.
3.	All vessel entering port in ballast and not carrying passengers, but—		
(i)	taking in any cargo or passengers at the port.	1.00	20.00 Dues are payable on each entry into the port.
(ii)	Sailing from the port without taking in any passengers or cargo.	1.00	20.00 Dues are payable on each entry into the port.
(iii)	For repairs, dry-docking in bunkers, provisions or water or for change of goods or discharging any sick member of the crew and sailing from the port without taking in passengers or cargo.	1.00	20.00 Dues are payable on each entry into the port.

1	2	3	4
4. Vessels which enter the port, but does not discharge or take in any cargo or passengers, except the discharge or take in of cargo as may be necessary for purposes of repair.	1.00	20.00	Dues are payable on each entry into the port.
5. Telegraph vessels.	1.00	20.00	Dues are payable on each entry into the port.
6. Vessels in distress with cargo or property and brought into the port.	1.00	20.00	Dues are payable on each entry into the port.
7. Vessels in distress with no cargo and brought into the port.	1.00	20.00	Dues are payable on each entry into the port.

Explanation in this table :

- 'Coasting Vessel' means a vessel engaged in the carriage by sea of passengers or goods from any port or places in India to any other port or places in India.
- 'Foreign Vessel' means a vessel employed in trading between any port or place in India and other port or place or between ports or places outside India.
- 'Sea going Vessel' means a vessel employed in trading between any port or place in India to any ports or places outside India.
- 'Telegraph Vessel' means a vessel equipped with machinery and gears for lifting examining any laying submarine cables for overseas communication.

[F. No. PR-14012/13/92-PG]
ASHOKE JOSHI, Jt. Secy

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 मई, 1992

सा.का.नि. 483(अ):-भारतीय पत्तन अधिनियम, 1908 (1908 का 15) की धारा 35 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और जल-भूतल परिवहन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सा.का.नि. सं. 1147(ई) तारीख 5-12-1988 की अधिसूचना का अतिक्रमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा जवाहर लाल नेहरू पत्तन न्याम में यान मार्गदर्शन और अन्य सेवाओं के लिए फीस उगाहने का विनियमन करने के लिए निम्नलिखित आदेश देती है।

आदेश

(1) संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ

(i) इस आदेश को जवाहर लाल नेहरू पत्तन न्याम यान मार्ग दर्शन और अन्य सेवाएं (फीस) आदेश, 1992 कहा जाएगा।

(ii) यह तुरन्त प्रवृत्त होगा।

(2) परिभाषा

(i) इस आदेश में "पत्तन" का अर्थ जवाहर लाल नेहरू पत्तन न्याम है।

(ii) "तटीय जलयान" का अर्थ ऐसे जलयान से है जो समुद्र द्वारा यात्रियों या वस्तुओं को भारत में किसी पत्तन या स्थान से भारत में किसी अन्य पत्तन या स्थान पर लाने ले जाने में कार्यरत है।

(iii) "विदेशी जलयान" का अर्थ ऐसे जलयान से है जो भारत में किसी पत्तन या स्थान और अन्य पत्तन या स्थान के बीच या भारत के बाहर पत्तनों या स्थानों के बीच व्यापारिक कार्य में लगा हुआ है।

(iv) जलयान में वह सभी वाहन (मुख्य रूप से जल पर चलने वाले) सम्मिलित है जो मानव या संपत्ति की सवारी के लिए हों।

(3) यान मार्गदर्शन के लिए फीस: अनुकर्वण, लंगर डालना या लंगर उठाना:

बंदरगाह में लाने और ले जाने के लिए यान मार्ग दर्शन-व-अनुकर्वण के लिए जलयानों की फीस अनुसूची में दी गई दरों के अनुसार होगी। इस फीस में पत्तन में प्रत्येक प्रवेश के लिए आवश्यक जावक और स्थानान्तरण प्रचालनों के लिए सेवाएं या विभिन्न पाइलट और कर्ष सम्मिलित हैं।

अनुसूची

यान मार्ग दर्शन-व-अनुकर्वण फीस

मह. सं.	जलयानों का वर्गीकरण	प्रति सकल रजिस्ट्रीकृत टन भार (जी.आर. टी.) पर देय प्रभार	
		विदेशी जलयान अमरीकी डालर	तटीय जलयान रुपए
1.	10,000 जी. आर. टी. तक	0.32	4.70
2.	10,001 से 15,000 जी. आर. टी.	0.32	4.70
3.	15001 से 30000 जी.आर.टी.	0.32	4.70
4.	30001 से 60000 जी.आर.टी.	0.32	4.70
5.	60001 से 100000 जी.आर.टी.	0.33	4.90
6.	1,00,000 जी.आर.टी. से अधिक	0.36	5.25

टिप्पणी:

- (1) अनुसूची के अधीन पत्तन में प्रत्येक प्रवेश के लिए न्यूनतम प्रभार विदेशी जलयान के लिए 215 अमरीकी डालर तथा तटीय जलयान के लिए 4,500/- रुपए होगा।
- (2) न्हावा जैटी या बंबई पत्तन सीमा में स्थानान्तरण के लिए पाइलट सेवाओं की मांग करने वाले जलयानों से अनुसूची में दी गई दरों के अतिरिक्त प्रत्येक स्थानान्तरण के लिए प्रभारों का 50 प्रतिशत भाग और लिया जाएगा।
- (3) रद्द करने या रोके रखने के लिए पाइलटों के प्रभार:
 - (i) पाइलट की सेवाओं की मांग को रद्द करने के लिए उभय संरक्षक को दो घंटे से कम के समय में नोटिस देने पर विदेशी जलयानों को 58 अमरीकी डालर और तटीय जलयानों को 1200/- रुपए देने होंगे।
 - (ii) पाइलट की मांग करने के समय से 30 मिनट से अधिक समय के लिए उसे रोके रखने के लिए निम्न प्रभार होंगे।

	विदेशी जलयान अमरीकी डालर	तटीय जलयान रुपए
(क) प्रथम घंटे के लिए	34	700/-
(ख) उत्तरवर्ती घंटों या उसके भाग के लिए	15	300/-

(4) कर्ष सहायता के बिना या मार्गदर्शन-फीस

इकाई	विदेशी जलयान अमरीकी डालर	तटीय जलयान रुपए
उन जलयानों के लिए यान मार्ग दर्शन फीस जिन्हें कर्ष सहायता जी.आर.टी. की आवश्यकता नहीं है	0.10	1.80

पत्तन में प्रत्येक प्रवेश के लिए न्यूनतम प्रभार विदेशी जलयान के लिए 143 अमरीकी डालर और तटीय जलयान के लिए 3000/- रुपए होगा।

- (5) विदेशी जलयानों के संबंध में अदायगी, जलयान के आगमन की तारीख पर, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अधिसूचित दरों पर समतुल्य भारतीय रुपयों में की जाएगी।

[सं. एक० पी०आर० 14012/13/92-पी जी]

अशोक जोशी, संयुक्त सचिव

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th May, 1992

G.S.R. 433(E)—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 35 of the Indian Ports Act, 1908 (15 of 1908) and in supersession of the notification of the Govt. of India in the Ministry of Surface Transport, **G.S.R. No. 1147(E)** dated 5 December, 1988, the Central Govt. hereby makes the following order for regulating the levy of fees for pilotage and other services in the Jawaharlal Nehru Port Trust.

ORDER

(1) Short Title and Commencement :

- (i) This order may be called the Jawaharlal Nehru Port Trust Pilotage and other services (fees) order 1992.
- (ii) It shall come into force at once.

(2) Definition :

- (i) In this order 'port' means Jawaharlal Nehru Port Trust.
- (ii) 'Coasting Vessel' means a vessel which is engaged in the carriage by sea of passengers or goods from any port or places in India to any other port or places in India.
- (iii) 'Foreign Vessel' means a vessel employed in trading between any port or places in India and other port or places or between ports or places outside India.
- (iv) Vessel includes anything made for the conveyance (mainly by water) for human being or property.

(3) Fees for Pilotage : Towage, Mooring or Unmooring.

The Fees leviable for pilotage cum towing vessels in and out of the Harbour shall be at the rates as shown in the Schedule. The fees leviable shall include services of various pilots and tugs for inward, outward and shifting operations for each entry into the port.

SCHEDULE

FEEs FOR PILOTAGE-CUM-TOWAGE

Item No.	Classification of Vessels	Charge payable per gross registered tonnage	
		Foreign vessels US \$	Coasting vessels (Rs.)
1.	Upto 10,000 GRT	0.32	4.70
2.	10,001—15,000 GRT	0.32	4.70
3.	15,001—30,000 GRT	0.32	4.70
4.	30,001—60,000 GRT	0.32	4.70
5.	60,001—1,00,000 GRT	0.33	4.90
6.	above 1,00,000 GRT	0.36	5.25

Note :—

- (1) The minimum charge under the schedule for each visit to the port shall be 215 US dollars for foreign vessel and Rs. 4,500 for coastal vessels.

1163 GI/92—2

- (2) Vessels requisitioning pilots services for shifting to Nhava Jetty or Bombay port limits shall be charged 50% of the charges for each shifting in addition to the rates prescribed in the schedule.
- (3) Cancellation and Detention charges for pilots :—
- (i) For cancellation of a requisition for the services of pilot with less than 2 hours notice to the Dy. Conservator 58 US dollars for foreign vessel and Rs. 1200/- for coastal vessel.
- (ii) For detention of a pilot for more than 30 minutes beyond the time for which the requisition is made :—

	Foreign vessel US \$	Coastal vessel (Rs.)
(a) For the 1st hour	34	700.00
(b) For subsequent hours or part thereof	15	300.00

- (4) Fees for pilotage without Tug assistance—

	Unit	Foreign Vessel US\$	Coastal vessel (Rs.)
Pilotage fee for vessels not requiring tug assistance.	GRT	0.10	1.80
The minimum charges for each visit to the port shall be US Dollars 143 in case of foreign vessel and Rs. 3,000/- in case of coastal vessel.			

- (5) The payment in respect of foreign vessels shall be made in equivalent Indian Rupees at the rates notified by the RBI on the date of arrival of the vessel.

[F. No. PR-14012/13/92-PG]
ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.